Adda247
GET IT ON Google Play

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

कृषि (14)

विभिन्न शीर्षको में विभिन्न फसलों के उत्पादन–मृदा का चुनाव, किस्म, बुवाई का समय, बीजों का शोधन एवं बीज दर, खाद एवं खाद डालना सिंचाई, पादप सुरक्षा और बीज उत्पादन, खर–पतवार प्रबन्धन एवं फसल चक्र खर–पतवार के रोकथाम के सिद्धान्त एवं विधियां, कृषि के प्रकार एवं तंत्र, फसल चक्र का सिद्धानत और फसलक्रम, फसल चक्र और फसलचक्र को प्रभावित करने वाले तत्व।

विधि फल एवं सब्जी फसलों का निम्न शीर्षकों में अध्ययन–पोषण, महत्व उत्पत्ति और इतिहास, पादप विशेषता, प्रचार किस्म, जलवायु, मिट्टी, फसल चक्र, बुवाई एवं रोपाई, सिंचाई अन्तः कृषि, पौधा संरक्षण और बीज उत्पादन पौधशाला, बागवानी प्रबन्धन–फलो की प्रक्रिया एवं संरक्षण खूबसूरती वाले शोभाकारी बागवानी का नागरिक तत्व एवं नगर नियोजन।

मृदा उर्वरता एवं उर्वरक, आवश्यक तत्व एवं उनका कार्य और पौधों में अल्पता लक्षण, खाद्य एवं उर्वरकों का वर्गीकरण, उर्वरक प्रयोग का सिद्धान्त मृदा–मृदा के प्रकार, मृदा के गुण, मृदा निर्माण में आवश्यक तत्व, भारत में मृदा अपरदन समस्या, प्रकृति एवं विस्तार, अपरदन के प्रकार मृदा अपरदन रोकथाम के कार्यो को प्रभावित करने वाले तत्व, मृदा के रासायनिक विश्लेषण।

उपकरण और सिंचाई तकनीकि–उपकरणों के प्रकार एवं विभिन्न कृषि कार्यो में उसकी उपयोगिता, यांत्रिकीकरण और उसके प्रकार, विभिन्न कृषि दशाओं में यांत्रिकीकरण, सिंचाई की विधियां और विभिन्न फसलों में उसकी उपयोगता, संचित जल का गुण और आवृत्ति, सिंचाई की आधुनिक तकनीकि और उसकी आर्थिकता।

पशु प्रजनन– प्रजनन क्रिया, उद्देश्य, विधि, पशुओं और पक्षियों की विभिन्न किस्में, पशुओं के चयन की विधियां पशुओं के पोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, पशुओं के रोग–पशुओं के विभिन्न रोगों का विवरण, लक्षण, निदान और उपचार। दुग्धशाला की सफाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सीवर और पर्यावरण का सूक्ष्म जैविकी, दुग्ध उत्पादन और विपणन दुग्ध का स्वच्छ उत्पादन, लैक्टिक अम्ल, बैक्टीरिया एवं अन्य सूक्ष्म जीवों का मक्खन, पनीर, फरमेंटेड दुग्ध के उत्पादन में योगदान, सूक्ष्म जीवों द्वारा विविध दुग्ध उत्पादन संतुलित पशुचारा की आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के पशुओं एवं पक्षियों के लिए और उसका महत्व तथा सीमा।

कृषि वनस्पतिशास्त्र (आन्तरिक आकारिकी, फसल तंत्र और जैवशास्त्र) सेल संरचना, उत्तक के कार्य परिवार का क्रमबद्ध अध्ययन एवं उसका महत्व, सेल का जीव विज्ञान, पत्तियों का कार्य–उत्सर्जन, और प्रकाश, संश्लेषण, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं उसका रोकथाम, फसल परिष्कार में उच्च पौष्टिकता और उसकी उपयोगिता। उत्तम बीज के मूल्य एवं गुण, बीज का प्रकार, बीज के गुणित करने का सिद्धान्त, बीज परीक्षण एवं उसकी प्रमाणिकता, विभिन्न फसल चक्रों मे विभिन्न प्रकार के बीजों की उपयुक्तता, बीज के रख–रखाव एवं विपणन।

जलवायु शास्त्र ऋतु और मौसम, विकास को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय तत्व, मौसम विज्ञान के विभिन्न यंत्रों का मौसम के विभिन्न तत्वों के मापन आदि में उपयोग का अध्ययन।

पादप संरक्षण का सिद्धान्त, प्रमुध कीट और पौधों के रोग एवं उनका विभिन्न विधियों से रोकथाम।

प्रसार अध्यापन एवं अध्ययन–अध्यापन एवं अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले गुण, चरण और तत्व। प्रसार विधि–दृश्य एवं श्रव्य साधन, उनका वर्गीकरण और प्रमेय। प्रसार, प्रशिक्षण–लक्ष्य ओर महत्व, प्रशिक्षण के प्रकार, प्रसार कार्यकर्ता के प्रकार, उनका कर्तव्य, संचार–संचार के विभिन्न चरण, संचार की विधियां (जन संचार एवं व्यावहारिक संचार) पत्रकारिता–ग्रामीण विकास मे पत्रकारिता का महत्व, पत्रकारिता की श्रेणी, समाचार के प्रकार, भारत में चलाई गयी विभिन्न ग्रामीण विकास योजनायें, ग्रामीण समाजशास्त्र–समाज के प्रकार, नेता के चुनाव की विधियां और नेता के प्रकार।

अर्थशास्त्र का सिद्धान्त–अर्थशास्त्र के विषय क्षेत्र और विषयवस्तु, कृषि प्रबन्धन के सिद्धान्त उत्पादन और उत्पादन के तत्व श्रम–कृषि श्रम की मांग एवं आपूर्ति, कृषि श्रम की समस्यायें, कृषि नियोजन एवं साख–कृषि नियोजन के सिद्धान्त लक्ष्य, विषय क्षेत्र, विधि और उपकरण, कृषि में साख की आपूर्ति सहकारी कृषि–इसकी विधि, क्षेत्र, भारत में पंचवर्षीय योजनायें।